पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/24-26 प्रकाशित 16.02.2024 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई. एफ. एस.कोड - SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868051444 पर एस.एम.एस कर दें या 9810117464 पर Paytm कर दें। – अनिल आर्य

वर्ष-40 अंक-18 फाल्गुन-2080 दयानन्दाब्द 201 16 फरवरी से 29 फरवरी 2024 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.02.2024, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में

200 वीं महर्षि दयानन्द जयंती सम्पन्न

वेदों के मार्ग पर चलने से ही कल्याण होगा –साँसद मनोज तिवारी

महर्षि दयानंद के आदर्शों पर चलने की आवश्यकता –अनिल आर्य

सोमवार 12 फरवरी 2024,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 200 वां महर्षि दयानंद सरस्वती जन्मोंत्सव सांसद मनोज तिवारी के निवास 24, मदर टेरेसा करिसेंट रोड,नई दिल्ली में सोल्लास मनाया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य गवेन्द्र शास्त्री ने यज्ञ के साथ किया गया।मनोहर वेदपाठ कन्या गुरुकुल राजेंद्र नगर की ब्रह्मचार्णियों ने किया। मुख्य अतिथि मनोज तिवारी (संसद सदस्य) ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन करते हुए कहा कि वेदों की ओर लौटने से ही राष्ट्र का कल्याण होगा।महर्षि दयानन्द समग्रक्रांति के अग्रदूत थे,उन्होंने जातपात ऊंचनीच भुला कर समाज को जोड़ने का कार्य किया।आर्य समाज उनके आदर्शों को ज़न ज़न तक पहुंचाने का सराहनीय कार्य कर रहा हैप्महर्षि दयानन्द एक क्रांतिकारी सन्यासी थे जिन्हें 200 वर्ष बाद भी याद किया जाएगाप्उन्होंने महर्षि दयानंद की 200 वीं जयंती को अपने निवास पर मनाने पर स्वयं को गौरवान्वित महसूस किया।उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने वक्तव्य में कहा है जो विश्वास स्वामी दयानंद को वेदों पर था उसे कैसे हम अपने आत्मविश्वास में ला सकते हैं जिससे सदियों तक स्वामी दयानंद जी हमारे मन मस्तिष्क में रहें।वक्त ने पुनः कहा कि आज हमारा आवास पवित्र हुआ जो यह आयोजन यहां हुआ है।भारत यूं ही नहीं खड़ा है,स्वामी दयानंद के इसमें अथक प्रयास थे।उनका लिखा हुआ सत्यार्थ प्रकाश एक बार इसको भी पढ़ो और स्वयं को जान लो अपनी संस्कृति को पहचान लो।वह बुद्धिमान व्यक्ति है जो दूसरों की पत्नियों को अपनी माँ के समान,दूसरों के धन को मिट्टी के ढेले के समान और सभी प्राणियों को अपनी आत्मा के समान देखता है। परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती जी के सिद्धान्त आज भी प्रासंगिक है और उस पर चलने की आवश्यकता है।स्वामी दयानन्द के आदर्शो को अपनाने से ही विश्व में शान्ति स्थापित हो सकती है।आर्यजनों को विश्व को बदलने का कार्य करना है। योगाचार्य सविता तिवारी (राज्य प्रभारी महिला पतंजलि योग समिति दिल्ली), संध्या बजाज (एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट)ने संबोधित करते हुए नव जागरण का आह्वान किया।पिंकी आर्या,ऋचा गुप्ता, प्रवीण आर्य, विजय कपूर, रमेश बेदी आदि ने मधुर भजन प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता तिहाड़ जेल के पूर्व डी आई जी सुनील गुप्ता ने की। इस अवसर पर पूर्व विधायक नीलकमल खत्री, देवेन्द्र भगत, प्रकाशवीर शास्त्री, रमेश गाड़ी, शांता तनेजा, सोनिया संजू, वीना बजाज, सुशील बाली, अर्चना मोहन, सुरेश आर्य, तुलसी भाटिया(जयपुर), यज्ञवीर चौहान,देवेंद्र गुप्ता, सत्यपाल आर्य,डा. प्रमोद सक्सेना,आशा आर्या, दशरथ भारद्वाज ,गजेंद्र चौहान, नेत्रपाल आर्य ,ओम नरेंद्र विज, मकेन्द्र कुमार, ऋचा गुप्ता, कृष्ण लाल राणा, रवि राणा, महावीर सिंह आर्य, मायाराम शास्त्री, अमर सिंह आर्य, वरूण आर्य, सुदर्शन तनेजा, आदर्श सलुजा आदि उपस्थित थे।

बसंत पंचमी- बलिदान दिवस- धर्म पर बलिदान हुआ वीर हकीकत राय

हकीकत राय एक वीर साहसी बालक था जिसने हिन्दू धर्म के अपमान का प्रतिकार किया और जबरन इस्लाम स्वीकारने के बजाय मृत्यु को गले लगा लिया। हक़ीक़त राय का जन्म स्यालकोट पाकिस्तान में हुआ । वे बचपन में ही बुद्धिमान थे तथा मात्र 4–5वर्ष की आयु में ही उन्होने संसंकृत इतिहास वेद धर्म शास्त्रों का ज्ञान प्राप्त कर लिया था ।

हकीकत राय नाम का बालक था धर्म परायण और वीर। मुगल का राज़ था फ़ारसी राज भाषा थी । एक मदरसे मे फ़ारसी पढ़ने जाता था वह वीर बालक, एक दिन साथ के कुछ मुस्लिम बच्चे उसे चिडाने के लिए हिंदू देवी देवताओ को गाली देने लगे उस सहनशील बालक ने कहा अगर यह सब मैं बीबी फ़ातिमा मुहम्मद की बेटी के लिए कहू तो तुम्हे कैसा लगेगा। इतना सुन कर हल्ला मच गया की हकीकत ने गाली दी, मौलवी ने हक़ीक़त राय को बहुत पीटा जिससे ने बेहोश हो गया । बात बड़ी काजी तक पहुची हकिकत राय को पेड़ से उलटा लटका कर पीटा गया और फ़ैसला सुनाया गया –इस्लाम स्वीकार कर लो या मरो। उस बालक ने कहा मैंने गलत नही कहा मैं इस्लाम नही स्वीकार करूँगा।

सन 1735 वसंत पंचमी के दिन ही 10–12 वर्ष के बालक वीर हकीक़त राय को कत्ल कर दिया गया। वह शहीद हो गया। उसने बलिदान कर दिया लेकिन धर्म से डिगा नहीं ।

यह पूर्व में घटित क्रूरता और नृशंस्ता का केवल अंशमात्र उदाहरण हैं, किन्तु हिन्दू समाज की कृतघन्ता है कि वह अपने वीरों को भूल चुका हैं, जिन्होंने बलिदान दिये थे। लेकिन इन धर्म वीरों को आर्य समाज सदैव नमन करते हुए जीवंत रखेगा।

–राजेन्द्र मुनि , कोटा, मो. 8764161699

ओ३म्

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्

के तत्वावधान में

गुरूकुल कांगड़ी के संस्थापक, स्वतन्त्रता सेनानी, समाज सुधारक

168 वां स्वामी श्रद्धानन्द जन्मोत्सव

31 कुण्डीय राष्ट्र रक्षा यज्ञ

वीरवार, 22 फरवरी 2024, प्रातः 9:00 से 1:30 बजे तक

स्थानः गीता भारती स्कूल अशोक विहार, बी-1 ब्लाक, फेज-2, दिल्ली-52

मुख्य अतिथि :– स्वामी आर्य वेश जी (विश्व विख्यात आर्य सन्यासी)

ब्रह्मा :– श्रीमती विमलेश बंसल 'दर्शनाचार्या'

ध्वजारोहण :– ठाकुर विक्रम सिंह जी (संस्थापक अध्यक्ष राष्ट्र निर्माण पार्टी)

प्रवचन :– आचार्य अखिलेशवर जी महाराज

मधुर भजन :– श्री संजय व स्वर्णा सेतिया व श्रीमती प्रवीन आर्या 'पिंकी'

आमंत्रित अतिथिः- डॉ. हर्ष वर्धन जी (सांसद), राजेश गुप्ता (विधायक), डॉ. महेन्द्र नागपाल, योगेश वर्मा हरिशंकर गुप्ता (पूर्व विधायक), पूनम भारद्वाज, चित्रा विद्यार्थी (पार्षद), मंजु खंडेलवाल

अध्यक्षताः- श्री यशोवीर आर्य (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद)

मुख्य यजमानः- सर्व श्री सुरेश आर्य, रोहित ढींगरा, डिम्पल भंडारी, तिलक चांदना, जीवन लाल आर्य

–गरिमामयी उपस्थिति–

डॉ. रिखब चन्द जैन	श्री संजीव सेठी	श्री अभयदेव शास्त्री	आचार्य प्रेमपाल शास्त्री	श्री अरूण अग्रवाल	डॉ. रचना चावला
श्री सुशील बाली	श्रीमती सीमा ढींगरा	श्रीमती अनीता ग्रोवर	श्री वीरेन्द्र आहूजा	श्री अरुण बंसल	श्री ओम सपरा
श्री नरेपाल आर्य	श्री सुमेश सबरवाल	श्री रूपेश जैन	श्री आदर्श आहूजा	श्रीमती संतोष वर्मा	श्रीमती सोनिया संजू
श्री राकेश सखूजा	श्रीमती किरण सेठी	श्री राकेश बेदी	श्री बृजमोहन गर्ग	श्रीमती सत्यवती गुप्ता	श्रीमती राधा भारद्वाज
श्री संजीव आर्य	श्री के.के. सेठी	श्री सुरेन्द्र पाल	श्री अमित मान	श्री प्रवीन बत्रा	श्री अमर सिंह आर्य
श्री समीर सहगल	श्री सत्यपाल गांधी	श्रीमती ममता शर्मा	श्री कुंवरपाल शास्त्री	श्री नरेन्द्र अरोड़ा	श्रीमती शारदा कात्याल
श्री संजीव बजाज	श्री राकेश खुल्लर	श्री कृष्ण चन्द आर्य	श्री गजेन्द्र आर्य	श्री कस्तूरी लाल मक्कड़	श्रीमती मीना आर्य
श्री अविनाश चुघ	श्री गोपाल आर्य	श्रीमती विजय हंस	श्रीमती आशा भटनागर	श्रीमती सुषमा पाहुजा	श्रीमती कृष्णा पाहुजा
श्री वेदमित्र अग्रवाल	श्री अविनाश बंसल	श्री संतोष शास्त्री	श्री रवि चड्डा	श्री रामकुमार सिंह आर्य	श्री अशोक सरदाना

ऋषि लंगरः दोपहर 1.30 से 2.30 तक, प्रबन्धकः विक्रांत चौधरी, विरेश आर्य, वरूण आर्य

यजमान बनने के लिए अपने नाम आरक्षित कर ले

आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं

निवेदक

अनिल आर्य	महेन्द्र भाई	प्रेम सचदेवा	देवेन्द्र भगत	धर्मपाल आर्य
संयोजक	सह-संयोजक	स्वागत अध्यक्ष	प्रवीन आर्य	कोषाध्यक्ष
9810117464	9013137070	9811122320	प्रचार प्रमुख	9871581398

दुर्गेश आर्य, वेदप्रकाश आर्य — राष्ट्रीय मंत्री — 9868664800, 9810487559

देवेन्द्र गोयल — प्रबंधक विद्यालय

राजरानी अग्रवाल — चेयरपर्सन

संगीता अस्थाना — हैड मिस्टर्स

गीता भारती स्कूल

केशव पुरम में वैदिक सत्संग सम्पन्न

आर्य नेत्री किरण सेठी के कुशल नेतृत्व में भव्य वैदिक सत्संग केशव पुरम पार्क में सम्पन्न हुआ। आचार्य ऋषभ शास्त्री ने यज्ञ व प्रवचन दिया। प्रवीण आर्य पिंकी ने मधुर भजन सुनाए। परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य मुख्य अतिथि रहे। कविता आर्या, धर्मदेव खुराना व मीना आर्या आदि उपस्थित थे।

200वीं महर्षि दयानन्द जयन्ती

5 मार्च 2024 को धूमधाम से मनाए –अनिल आर्य

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने समस्त आर्य समाजों/आर्य जनता से अपील की है कि आगामी **5 मार्च 2024** को **'दयानन्द दशमी'** पर्व आ रहा हैं, इस बार **200 वी जयंती** है तो सभी आर्य समाज दीप उत्सव मनाए, ओम ध्वज लगाए, विचार गोष्ठी, टीवी डिबेट, जगह जगह लंगर लगाए, साहित्य वितरण करे, लाइटिंग करें, विद्यालयों में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाए। समाचार पत्रों में शुभकामनाओं के विज्ञापन दे, होर्डिंग्स बैनर लगा कर सारा वातावरण **'दयानन्द मय'** कर दे।

आशा है आप सभी मेरी अपील पर उत्साहपूर्ण कार्य करेगे।

सांसद प्रवेश वर्मा के निवास पर 11 कुण्डीय यज्ञ

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 200 वी महर्षि दयानन्द जयंती के उपलक्ष्य में मंगलवार 5 मार्च 2024 को प्रातः 10 से 12.00 बजे तक स्थानः–20, विंडसर पैलेस (जनपथ गोल चक्कर) नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। डॉ. जयेन्द्र आचार्य यज्ञ ब्रह्मा रहेगे।

आप सभी सादर आमंत्रित हैं –अनिल आर्य, संयोजक

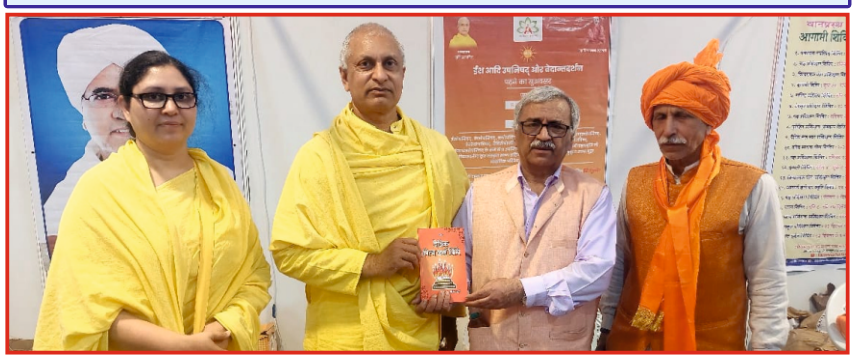

12 फरवरी 2024 को राजकोट, टंकारा, राजकोट, गुजरात में विशाल प्रांगण में महर्षि दयानंद के 200 वे जन्म दिवस, स्मरणोत्सव के भव्य समारोह में वैदिक विचारक, साहित्य मनीषी, विश्वविख्यात ओजस्वी प्रवक्ता, दिव्य योगी, मुनि स्वामी सत्यजीत जी, (अध्यक्ष, वैदिक वानप्रस्थ साधक आश्रम, रोजड , गुजरात), को पंडित हरिदेव आर्यवीर की पुस्तक आदि वैदिक साहित्य भेंट करते हुए। साहित्यकार, लेखक, संपादक श्री ओम प्रकाश सपरा (पूर्व स्पेशल मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट, नई दिल्ली) और दिल्ली से श्री धर्मवीर जी।

आर्य समाज सूर्य निकेतन दिल्ली की शाखा का सुन्दर दृश्य।

आर्य समाज देव नगर में महर्षि जन्मोत्सव सम्पन्न

महर्षि दयानन्द युग द्रष्टा थे –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार 11 फरवरी 2024, आर्य समाज देव नगर, करोल बाग, दिल्ली में 200 वी महर्षि दयानन्द जयंती के उपलक्ष्य में समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अनिल आर्य (राष्ट्रीय अध्यक्ष, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद) ने कहा कि महर्षि दयानन्द सरस्वती युग द्रष्टा थे उन्होंने दूर की सोचते हुए आर्य समाज की स्थापना की जिससे उनके बाद भी लंबे समय तक यह आंदोलन चलता रहे। उन्होंने हर सामाजिक बुराई पर सीधा प्रहार किया। वह एक निर्भीक सन्यासी थे उनके गुणों को आज जीवन में धारण करने की आवश्यकता है। विधायक विशेष रवि ने कहा कि आज महर्षि जी की जयंती सर्वत्र मनाई जा रही है हमे उनकी शिक्षाओं को अमल में लाना चाहिए। वैदिक विदुषी आरुषि राणा (मेरठ) ने नारी शिक्षा व उनके नव निर्माण में ऋषि दयानन्द के योगदान की चर्चा की उन्होंने कहा कि नारी जगत उनके रिन से कभी उरिण नहीं हो सकता। कार्यक्रम की अध्यक्षता आर्य नेता सुशील बाली एडवोकेट ने की और संचालन रमेश बेदी ने किया प रोहित कुमार के निर्देशन में बच्चों ने व्यायाम प्रदर्शन किया। प्रमुख रूप से आदर्श आहूजा, वेद गोगिया, आदित्य आर्य, उमा आर्य आदि उपस्थित थे।

पार्षद रेखा अमरनाथ का स्वागत व तुलसी भाटिया का उद्बोधन

प्रथम चित्र में निगम पार्षद रेखा अमर नाथ का अभिनंदन करते अनिल आर्य, संध्या बजाज, प्रवीण आर्य व नेत्र पाल आर्य। द्वितीय चित्र में महर्षि दयानन्द जयंती पर संबोधित करते जयपुर से पधारे श्री तुलसी भाटिया।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल से 617वां वेबिनार सम्पन्न

"सफ़लता के सूत्र" विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

संघर्ष का नाम जीवन है –प्रो. नरेंद्र आहूजा विवेक

शुक्रवार 09 फरवरी 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में "सफ़लता के सूत्र" विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल से 617 वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता एम वी एन विश्वविद्यालय के प्रो.नरेंद्र आहूजा विवेक ने कहा कि कठिनाइयों से घबराना नहीं चाहिए और संघर्ष करते रहना चाहिए।उन्होंने कहा यदि की हम नकारात्मक सोच –दृष्टि कोण को तिलांजलि देकर ईश्वर पर पूर्ण आस्था रखते हुए कार्य करेंगे तो सफलता अवश्य प्राप्त होगी।सफलता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है यह विचार करके असफलता के डर को मन से निकाल देना चाहिए।जीवन में यदि असफलता मिलती भी है तो उसका स्वागत करें।हम लड़े तो सही प्रयास पुरुषार्थ तो किया। प्रोफेसर नरेन्द्र विवेक ने समझाते हुए बताया की संघर्ष का नाम जीवन है संघर्ष की अग्नि में तप कर हम अपने जीवन को कुंदन बनाते हैं।ऐसी कोई समस्या नहीं जिसका समाधान ना हो और ईश्वर हमारे सच्चे मित्र हमारे अंतर्रात्मा से हमें हर समस्या का समाधान बता कर सही मार्गदर्शन देते हैं।कर्म करना हमारा अधिकार है फल प्रभु के हाथ में होता है।इसलिए हम कर्म करें और फल की चिंता छोड़ दे।किया हुआ तप कभी बेकार नहीं जाता। सफलता के प्रयास छोड़ देना ही असफलता है। मुख्य अतिथि पूर्व डी आई जी सुनील गुप्ता व अध्यक्ष रजनी गर्ग ने भी जीवन के सफ़लता के सूत्र बताए।परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया व राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका प्रवीना ठक्कर, रविन्द्र गुप्ता,कमलेश चांदना, कमला हंस,अंजू आहूजा, ईश आर्य, राजश्री यादव, कौशल्या अरोड़ा, कुसुम भंडारी, सरला बजाज आदि के मधुर भजन हुए।

"ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका अद्भुत देन" पर गोष्ठी सम्पन्न

वेद पढ़ने में ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका सहायक है –अतुल सहगल

सोमवार 5 फरवरी 2024,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में "ऋग्वेदादिभाष्य भूमिका" विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल से 616 वां वेबिनार था। वैदिक प्रवक्ता अतुल सहगल ने कहा कि महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की विश्व को यह पुस्तक अद्भूत देन है। उन्होंने भूमिका के रूप में कुछ तथ्य और विचार प्रस्तुत किये।तत्पश्चात ऋषि दयानन्द के ही शब्दों को उद्धरित करते हुए इस बात को विस्तार से सामने रखा कि वेदों के अध्ययन से पूर्व एक भूमिका की क्यों आवश्यकता है।इस प्रकार की भूमिका सामान्य मनुष्य को वेद जैसे ईश्वर प्रदत्त ग्रन्थ को पढ़ने और ठीक प्रकार से समझने के लिए तैयार करती है।बिना इस भूमिका को ग्रहण किये साधारण मनुध्य वेद मन्त्र के अर्थ और मर्म तक नहीं पहुँच सकता।वेद मानव कृत ग्रन्थ नहीं हैं और न ही उनमें कोई इतिहास है। भूमिका पढ़ के साधारण मनुष्य वेदों के स्वरुप और उनकी विशिष्ट शैली से परिचित हो जाता है।फिर वेद मन्त्रों को ग्रहण करने के लिए भाषा और व्याकरण की जानकारी भी आवश्यक है।इस जानकारी के अभाव में वेद मन्त्र के अर्थ को ही ग्रहण करना असंभव सा है।मर्म तो बहुत गहरी चीज़ है।इस कमी की पूर्ति के लिए ही स्वामी दयानन्द ने इस महान ग्रन्थ को रचा।ऋषि दूरदृष्टा होते हैं।स्वामी दयानन्द ने इस समस्या का अनुमान पहले ही कर लिया था और वेदों का दिव्य सन्देश जन साधारण तक पंहुचाने के लिए यह ग्रन्थ रच दिया।हम महर्षि के कृतज्ञ हैं और ऋषि ऋण से बोझित हैं।वक्ता ने कहा कि गत 100 वर्ष के वेद प्रचार के बाद भी हम वह ऋण उतार नहीं पाए हैं और संभवतः अगले 100 वर्ष के प्रयास के बाद भी न उतार पाएंगे।वक्ता ने अपने वक्तव्य में फिर अपने शब्दों में ऋग्वेदादि भाष्यभूमिका की महत्ता की व्याख्या करते हुए यह कहा कि यह ग्रन्थ सामान्य मनुष्य की वेद सम्बंधित भ्रान्तियों को दूर करके उसे वेद के स्वाध्याय के लिए सही मानसिक और बौद्धिक स्थिति में पंहुचाता है।वक्ता ने तत्पश्चात इस ग्रन्थ के 41 विभिन्न विषयों पर थोड़ा थोड़ा प्रकाश डाला और यह कहा कि महर्षि ने इस ग्रन्थ में एक विषय सूची बनायी है और इन 41 विषयों को छुआ है।इस सूची में सांसारिक जीवन के लगभग सभी विषयों का समावेश हो जाता है। वक्ता ने कहा कि महर्षि ने सब भौतिक और अभौतिक विषयों को बड़े वैज्ञानिक ढंग से प्रस्तुत करते हुए उनका वेदों से जोड़ समझाया है।वक्ता ने एक एक करके इन सब विषयों को प्रस्तुत किया – उसी संक्षिप्त तरीके से जिस प्रकार स्वामीजी ने लिखा था।वक्ता ने यह बताया कि ऋग्वेददिभाष्यभूमिका मनुष्य को यह समझाती है कि वेद क्या हैं, क्यों हैं,किसके लिए हैं और किस प्रकार वेद वेदभाष्य की भूमिका ग्रहण करके मनुष्य वेदों को पढ़ने पढ़ाने,सुनने सुनाने और समझने समझाने के लायक हो जाता है और यह अपने आप में ही एक बहुत बड़ी बात है। मुख्य अतिथि डॉ.गजराज सिंह आर्य व अध्यक्ष ओम सपरा ने वेद भाष्य के महत्व पर प्रकाश डाला। परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया।राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका पिंकी आर्य, प्रवीना ठक्कर, कुसुम भंडारी, पूनम तनेजा, रविन्द्र गुप्ता, कौशल्या अरोड़ा, कमला हंस, सुनीता अरोड़ा आदि के मधुर भजन हुए।

"वीर हकीकत के बलिदान की प्रासंगिकता" पर गोष्ठी सम्पन्न

देश धर्म के बलिदानी अमर रहते हैं –आचार्या श्रुति सेतिया

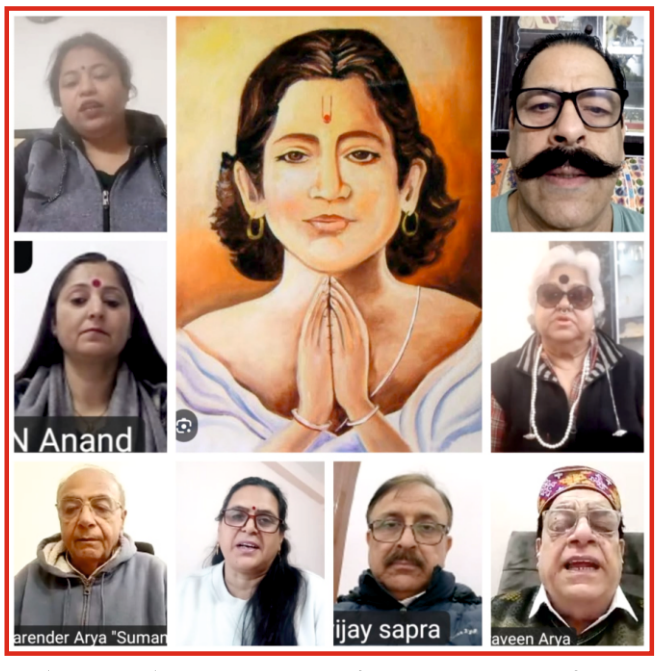

शुक्रवार 2 फरवरी 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'वीर हकीकत के बलिदान की प्रासंगिकता " विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल से 615 वां वेबिनार था। वैदिक विदुषी आचार्या श्रुति सेतिया ने कहा कि यूं तो सभी लोग इस नश्वर जगत में पैदा होते हैं,जीते हैं और अंत में मर जाते हैं,पर उन्हीं का जीना और मरना सार्थक होता है जो देश,जाति और धर्म के लिए जीते और मरते हैं।वास्तव में ऐसे ही मनुष्य सच्चे वीर हैं क्योंकि उनका अंत हो जाने पर भी उनकी अमर कीर्ति, उनकी शहादत कभी नहीं भुलाई जा सकती है।वे स्वयं मर कर जाति को अमर कर जाते हैं।ऐसे ही वीरात्मा शहीदो में बालक हकीकत राय का नाम भी स्वर्ण अक्षरों में अंकित है।इस बालक ने अपनी जान,धर्म के लिए कुर्बान कर दी परंतु इस्लाम धर्म कुबूल नही किया।जब जिस जाति का राज्य होता है,वह जाति अपने धार्मिक सिद्धांतो को सर्वोपरि समझती है।उस समय भारत में मुसलमानों का शासन था। शांति प्रिय हिंदू लोग जबरदस्ती मुसलमान बनाए जाते थे।जो मुसलमान नहीं बनते वे निर्दयता से मार डाले जाते थे।वीर बालक हकीकत राय के समक्ष यही समस्या उपस्थित थी।हकीकत राय को रसूल और कुरान की तौहीन करने की सजा के रूप में मौत के घाट उतार दिया गया।वीर बालक अमरत्व का बीज अपनी आत्मा में धारण किए हुए मृत्यु का प्याला पीने को तैयार हो गया। खुशी खुशी अपने प्राणों की बलि दे दी परंतु इस्लाम धर्म कदापि स्वीकार नहीं किया।बाल हकीकत राय अपने धर्म पर कुर्बान हो गया।इसके बाद लाहौर में हकीकत राय की समाधि बनाई गई।मुसलमानों का शासन अब ना रहा,पर धर्म के लिए बलिदान होने वाले हकीकत राय का नाम आज भी जीवित है और जब तक इस पृथ्वी तल पर हिंदू जाति जीवित है तब तक राम और कृष्ण के प्यारे भक्त हकीकत राय का नाम अमर रहेगा। मुख्य अतिथि आर्य नेत्री सोनियां आनंद व अध्यक्ष राजश्री यादव ने भी उनके बलिदान की चर्चा कर श्रद्धांजलि अर्पित की। परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया उन्होंने कहा कि जो देश धर्म के लिए जीते हैं वह सदा अमर रहते हैं। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया।गायिका कुसुम भंडारी, पिंकी आर्य, प्रवीना ठक्कर, कमला हंस, नरेंद्र आर्य सुमन, विजय खुल्लर, संतोष धर, कौशल्या अरोड़ा, जनक अरोड़ा, प्रतिभा कटारिया आदि के मधुर भजन हुए।

जहां होता है भरपूर काम और प्रभु का गुणगान आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**, 2199/63,नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 **मो.**: 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970